मुख्य अलंकार

1. अनुप्रास ; एक अलंकार जिस में किसी वाक्य में एक ही पद या एक ही अक्षर का बार बार प्रयोग किया जाता है ।

2. अनुष्टुप ; आठ आठ अक्षरों के चार चार पद ।

3. अनुवृति ; पीछे की गति । व्याकरण में किसी पूर्व सूत्र के पद का आगे के सूत्र में नियोग ।

4. अर्थन्तरन्यास ; वह अलंकार जिसमें एक प्रकार के अर्थ दूवारा अन्य प्रकट के अर्थ का समर्थन करने का प्रयत्न होता है ।

5. अर्थापत्ति ; वह अलंकार जिसमें एक बात के कथन से दूसरी बात सिद्ध होती है ।

6. अर्थालंकार ; वह अंलकार जिसमें अर्थ का गौरव दिखलाया जाता है ।

7. इन्द्रवज्रा ; एक छन्द जिसमें चार पद होते है और प्रत्येक पद में ग्यारह अक्षर ।